हम घर पर हैं

Gillette Audio — नंदो द स्क्राइब — gillettenarrative.com

एक इतालवी देह, उस सब के साथ जो वह कभी थी, एक अमेरिकी मन से फिर मिलने वाली थी, उस सब के साथ जो उसने किया — माता Gillette से सीखी चुप्पियों और उनकी अनोखी शिक्षाओं के भीतर।

मैं इंतज़ार का आदर करना जानता था। कभी जल्दी में नहीं। जो सबक़ मैंने सीखा था वह यह था: सब कुछ उसे मिलता है जो इंतज़ार करना जानता है — बिना उतावली के, और उससे भी बढ़कर, बिना अपेक्षा के।

जो कुछ नहीं माँगता, वह हमेशा एक अज्ञात राशि रहा है। ख़रीदे न जा सकना आदमी से ताक़त छीन लेता है। पर इजाज़त माँगे बिना लेना — यही मेरी तालीम थी। ठीक उसी तरह जैसे दुनिया की हर स्त्री आनुवंशिक रूप से करने की आदी है।

एक दिन हम एक ही बाथरूम में, एक ही घंटे में, एक ही क्षण में जा पहुँचे — मैं और मेरे पिता, दाढ़ी बनाते हुए। हम दोनों की एक ही समय पर एक ही बैठक थी, और नियम हमेशा एक ही था: जल्दी पहुँचो, कभी ठीक समय पर नहीं।

वे एक पल रुककर मेरे शेविंग-अनुष्ठान को देखने लगे और उन्हें कुछ ऐसा दिखा जिसने उन्हें चौंका दिया। चेहरे पर पहला दौर नीचे से ऊपर जाता था, बालों की दिशा के उलट। दूसरा बीच का हिस्सा लेता था। सिर्फ़ आख़िरी दौर ऊपर से नीचे चलता था। और मुस्कुराते हुए उन्होंने पूछा कि यह मुझे किसने सिखाया।

मैंने उन्हें ग़ौर से देखा। वे बिना वजह कभी नहीं बोलते थे। मुझे उनका असली इरादा पढ़ना था। पर जवाब सिर्फ़ एक था: मैंने यह आपसे सीखा — पाँच बरस की उम्र से, हर एक सुबह आपको दाढ़ी बनाते देखते हुए। यहाँ तक कि जब वे 104 डिग्री बुख़ार में बीमार होते, तब भी उठते, दाढ़ी बनाते, और वापस बिस्तर पर चले जाते।

और जो चीज़ मैंने ग़ौर की वह यह थी कि उस आख़िरी दौर में वे कभी बालों की दिशा के उलट नहीं जाते थे। क्योंकि वे कहा करते थे कि खुरदुरा हिस्सा ही आदमी की पहचान है — अगर तुम बहुत चिकने हो गए, तो स्त्री बन जाते हो।

मई 2030 की उस शाम, मैं अपने बॉस्टन की सड़कों पर टहल रहा था। यादें उभरती रहीं। कुछ आँसुओं ने मेरे जीवन को, उस पूरे सफ़र को, एक चौखट दे दी।

मैं सिर्फ़ शारीरिक रूप से अकेला था। पर मानसिक रूप से मैं घिरा हुआ था — उन सबसे जिन्होंने मुझे कभी कोई वाक्य दिया, कोई मज़ाक़, कोई क़िस्सा, कोई कहानी, और मेरी स्मृति भर दी। और मैंने बचपन में सीख लिया था कि ब्यौरे कभी न भूलो। क्योंकि वही हर गंभीर बातचीत की बुनियाद हैं। यह हमेशा से ऐसा ही रहा।

हिसाब चुकाने का वक़्त था। और वह हमेशा सीढ़ियों पर पोकर की एक बाज़ी के बाद होता है, घर लौटने से पहले — कभी उससे पहले नहीं।

GILLETTENARRATIVE पहले रडार पर आया था। फिर उसे निगरानी में रखा गया। फिर जाँचा और सत्यापित किया गया। और उसके बाद ही वह बना जिसके लिए वह जन्मा था: एक कहानी।

सब हमेशा वही सवाल पूछते थे: मैं सब कुछ सिर्फ़ 1 USD में कैसे दे सकता था — और महीने के सिर्फ़ 70 USD पर यह सब कैसे खड़ा कर सकता था।

जवाब एक तस्वीर के भीतर मिला।

मैं केबिन के भीतर था, आग के सामने। और नदी के उस पार मैं बॉस्टन का Prudential Center Tower देखता था — जो उन बरसों में मेरी माँ का घर था जब उसने मुझे पनाह दी थी। और मेरे मन में हमेशा वही ख़याल आता था।

मैं यह जानने का मज़ा ले सकता था कि किसी गगनचुंबी इमारत के भीतर रहना कैसा लगता है। पर मैं ठीक वहीं रहने के लिए आज़ाद था जहाँ मैं था — सिर्फ़ एक वजह से: मैं आज़ाद था।

नान्दो द स्क्राइब। कोई ऐसा जिसके होने की आप उम्मीद नहीं करते। और फिर भी, वह असली है। और आप उसे हमेशा उसके किए हुए के भीतर पाएँगे — कभी उसके कहे हुए के भीतर नहीं।

फेर्दिनान्दो

© 2026 Ferdinando Frega — सर्वाधिकार सुरक्षित
Gillette Audio — संयुक्त राज्य अमेरिका में कॉपीराइट पंजीकरण प्रक्रियाधीन